

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग İ—खण्ड I

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

#o 168]

नई बिल्ली, मंगलवार, अब्दूबर 31, 1967/कार्तिक, 9, 1889

No. 1681

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 31, 1967/KARTIKA 9, 1889

इस भाग में भिन्न पूछ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के कप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष)

संस्साव

नई दिल्ली, 8 सितम्बर 1967

संख्या 2?-पी० एल० ए० 59/67.--श्रम ग्रीर रोजगार मंद्रालय ग्रीजा संख्या 28(92)/64 एल०ग्रार० 4 दिनांक 19 मार्च, 1966 द्वारा भारत सरकार ने, उक्त ग्रिधितयम की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ख) के श्रधीन एकमात्र सदस्य के रूप में श्री सलीम एम० मर्चेंट से जांच न्याया-लय गठित की है ग्रीर उन्हें निम्न ग्रमुसूची में उल्लिखित मामला सौंपा है :--

ग्रनुसूची

"कलकत्ता पत्तन तथा भ्रन्य बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के मखदूरों की नौकरी की शतीं के बारे में जांच करना श्रीर 21 जुलाई, 1958 को भारत के श्रसाधारण राजपत्र भाग 1 खंड 1 में प्रकाशित पत्तन और गोदी मजदूरों की मांगों पर जांच करने के लिये नियुक्त विशेषाधिकारी की रिपोर्ट पर परि-वहन और संचार मंत्र लय (परिवहन विभाग) में भारत सरकार के संख्या 23-पी०एल०ए० (87)/58 दिलांक 20 जुलाई, 1958 के प्रस्ताव के साथ साथ सरकार को सिफारिश करना कि किस तरह ग्रं.र कित तीमा तक उपरोक्त 'बी' श्रेणी के मजदूरों की नौकरी की शर्तों में सुधार किया जाना चाहिये।"

पत्न संख्या 28(92)/64 एल० आर० 4 दिनांक 15 अप्रल, 1966 द्वारा श्रम तथा रोजगार मंत्रालय ने न्यायालय द्वारा पूछे एक प्रश्न के उत्तर में यह स्पष्ट कर दिया था कि आंच का सम्बन्ध कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, विशाखापत्तनम् और कोचीन के पांच बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के मजदूरों की सेवाजों की शतों से होना चाहिये।

3. बाद में भारत सरकार ने श्रिधिसूत्रना संख्या 28(92)/64 एत० श्रार० 4, दिनां र 4 नवम्बर, 1966 द्वारा श्री सलीम एम० मर्जेंट को जांच न्यायालय के एक माल सदस्य के हर में निम्न अनुबूजी में उलिनकात मामले को भी सौपा :---

ग्रनुसूची

"बड़े पत्तनों की 'सी' श्रेणी के मजदूरों की सेवाश्रों के। जाती, की जांच करना श्रीर भारत के साध रण राजपत में 21 जुनाई 1958 को प्रकाशित पत्तन श्रीर गोदी कर्मचारियों की मांगों में जांच करने के लिवे नियुक्त विशेषाधिकारी की रिपोर्ट पर परिवहन तथा संचार मंत्रानय में भारत सरकार (परिवहन विभाग) संख्या 23 पी०एल०ए० (87)/58 दिनांक 20 जुलाई, 1958 के संस्ताव के साथ साथ सरकार को सिफारिश करना कि किस तरह श्रीर किस सीमा तक उपरोक्त 'सी' श्रेणी के कर्म-चारिशों की नौकरी की शर्तों में सुधार किया जाना चाहिये।"

- 4. भारत सरकार को जांच न्यायालय की रिपोर्ट मिल गई है। यह रिपोर्ट भारत के ब्रमा-धारण राज्यत भाग 2 ब्रनुभाग 3 (2) विनांक 19 ब्रगस्त, 1967 में एस०ब्रो० 2867 के ब्रन्तर्गेत पुष्ठ 1365 से 1423 तक में प्रकाणित हुई है।
- 5. भारत सरकार ने निश्चय कि स है कि जान न्यायालय की सिफारिणों को स्वीकार कर लिया जाना चाहिये। इस निश्चय के परिणामस्वरूप भारत में बड़े पत्तनों के 'बी' ग्रीर 'सी' श्रेणी के कर्म-चारिजों को निम्न ग्रतिरिक्त रियायतें दी जायेंगी :--

(1) 'बी' अंगी कर्मबारियों के लिये उपस्थिति अन :

'की' श्रेणी के वे कर्मचारी जो काम पर रिपोर्ट करते है परन्तु जिन्हें काम नहीं दिया जाता उन्हें 1 श्रक्टूबर 1967 से प्रति बुलाई 1.75 ६० का उत्स्थिति धन दिया जायेगा । इस उपस्थिति भन्ते की राशि पर ग्रलग से कोई मंहगाई भन्ता नहीं दिया जायेगा ।

(2) विशेषाणिकार छट्टी:

'भी' श्रेणी के कर्मचारियों को प्रति सात दिनों की हाजिरी पर एक दिन की दर से विशेषाधिकार छुट्टी दी जायेगी जो 1 जनवरी 1967 से गिनी जायेगी। छुट्टी की यह दर उन सभी कर्मचारियों पर लागू होगी जिन्होंने 'भी' श्रेणी में एक वर्ष की नौकरी पूरी कर ली है। यह विशेषाधिकार छुट्टी सीन वर्षों तक की जितनी छुट्टी होगी उस सीमा तक जमा की जा सकेगी।

(3) बीमारी की छुट्टी:

एक वर्ष में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों को आधे वेतन पर चौदह दिनों की बीमारी की छुट्टी या पूरे वेतन पर सात दिनों की बीमारी की छुट्टी दी आयेगी जो 1 जनवरी 1967 से गिनी जायेगी। यह छुट्टी आधे बेतन पर चौरासी दिनं तक या पूर्ण वेतन पर बयालीस दिनों तक जमा की जा सकेगी।

(4) ब्राकस्मिक छुट्टी:

1 जनवरी, 1968 में 'वी' श्रेणी के कर्मचारियों को एक वर्ष में पांच दिनों की स्नाकस्मिक छुट्टी दी जायेगी। या छुट्टी स्नश्चिकार के रूप में नहीं ली जायेगी किन्तु स्नावण्यक स्नौर अद्युष्ट परिस्थितियों में ली जा सकेगी। श्राविष्यक छुट्टी जमा नहीं की जा सकेगी।

(5) सर्वेतन छृद्धियां (हालीडे) :

एक वर्ष में 'बी' श्रीर 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों को पाच सबेतन छुट्टिया दी जायेंगी जि में से तीन राष्ट्रीय छुट्टियां, श्रर्थात् गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस श्रीर महात्मा गांधी जन्म दिवस होगी। श्रन्य दो छुट्टियां पत्तन प्रशासन द्वारा यूनियनों से सलाह कर तय की जायेगी किन्तु अन्ततः अही के विचार पर, स्थानीय त्योहारों के महत्त्व पर निर्भर करेगी। ये 1 श्रक्टूबर, 1967 से चिलू होगी।

(6) ग्रेचुटी ।

1 श्रवटूबर, 1967 में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों पर बम्बई पोर्ट टर्मिनल बेनिफिट (श्रस्थामी मेवा) नियम के श्रन्तर्गत श्रपा श्रस्थायी कर्मचारियों के लिये बम्बई पोर्ट ट्रस्ट ग्रेच्टी स्कीम की लाइन पर ग्रेच्टी की एक स्कीम लागु की जाउंगी ।

श्रयकाश प्राप्त करने के या सेवात ग्रेचुटी का ग्रधिकारी होने की दशा से पूर्व 'बी' श्रेणी के कर्म-चारी के 'ए' श्रेणी में पदोक्षत होने पर कर्मचारी को 'ए' श्रेणी में पेन्शन तथा श्रयकाश प्राप्त ग्रेचुटी के श्रन्तर्गत्रुंजेने लाभ दिये जाने के प्रयोजन के लिये उसकी 'बी' श्रेणी की सेवाश्रों का समय भी गिना जायेगा।

तटीय कर्मचारियों के मासले में जो पहले 'बी' श्रेणी में पदोन्नत किये जा चुके है या जिन्हें श्रव 'सी' से 'बी' श्रेणी में पदोन्नत किया जाय, 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की चार लगातार वर्षों से श्रिक की पिछली मैत्रायों, इस स्कीम के अन्तर्गत ग्रेचुटी के लाभों के प्रयोजन के लिये वैसी ही गिनी जा गेंगी मानों वे 'बी' श्रेणी की सेवायें थी।

(7) विकिस्सा धुविधा ग्रीर मकान :

समस्त बड़े पत्तनों में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों को 'ए' श्रेणी के समान सुविधाये मिलेगी परन्तु चिकित्सा सहायता श्रीर मकान के लाभ के सम्बन्ध में 'ए' श्रेणी का दावा पहले होगा ।

(8) 'ए' अंणी में पदोस्नति :

इसके बाद बम्बई, मशाम, कोचीन श्रीर विशाखापत्तनम् पत्तनों में स्वाभाविक क्षति या श्रन्य कारणों की वजह में 'ए' श्रेणी में होने वाले सब रिक्त स्थान, 'बी' रिजस्टर में सर्वोच्च कर्मचारी के पदोक्षत द्वारा भरे जायेंगे। कलकत्ता पत्तन में 1 श्रक्टूबर, 1967 में उच्चता के श्रन्सार मौज्दा 'बी' श्रेणी के 520 कर्मचारी 'ए' श्रेणी में पदोन्नत किये जायेंगे किन्तु पदोन्नत किये जाने वाले कर्मचारी को श्रावश्यकता पड़ने पर दोनों स्थानों अर्थात् विभिन्न जेटियों श्रीर गोदियों में भी कार्य करना होगा। कलकत्ता में 'ए' श्रेणी में पटोन्नत किये जाने वाले कर्मचारियों में मे बनाये जाने वाले दलों के गठन का काम कलकत्ता पोर्ट कमिण्नर के लिये छोड़ दिया गया है।

(9) विशाखापसनम् पसन में ए 1 श्रेणी की समाप्ति :

विशाखापत्तनम् पत्तन में ए 1 श्रेणी का पदनाम समाप्त कर दिया जायेगा और ए 1 श्रेणी के कर्मचारी जिस दिन से उस श्रेणी में रखें गये हैं उस समय से 'ए' श्रेणी के स्थायी कर्मचारी माने जायेंगे और ए' श्रेणी के कर्मचारियों को मिलने वाले समस्त लाभ उन्हें दिये जायेंगे।

(10) कलकला पत्तन में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये मकान किराया [भत्ता :

1 ग्र^तटूबर, 1965 से कलकत्ता पत्तन के 'बी' श्रेणी कर्मचारयों को सकान किराया भत्ता बढ़ा कर् 15 रुपये प्रति साह कर दिया जायेगा ।

(11) कलकत्ता पत्तन में 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये वर्वी (यूनीफार्म) :

कलकत्ता पत्तन के 'बी' श्रेणी के तटीय कर्मच रियों को तीन वर्ष ुमें एक बार एक ऊनी जर्मी दी जायेगी। पहली सप्लाई नवम्बर, 1967 में की जायेगी।

(12) रोस्टर छुट्टी (द्याफ) :

जब 'बी' श्रेणी के कर्मचारी को जब कि स्मान्यतौर पर इस श्रेणी के कमंचारियों का बुक्ति बन्द होता है, किसी दिन छुट्टी दी जाती है श्रीर वह श्राराम के दिन के तुरन्त पहले छ दिनों की भ्रवधि के बीच में पड़ती है तब उस दिन की ग्रनुपस्थित मजदूरी सहित रोस्टर छुट्टी (श्राफ) के हक के प्रयोजन के लिये विक्छेदक नहीं मानी जायेगी।

(13) 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों के बारे में सिफारिशें :]

- (1) 'सी' श्रेणी में चार वर्षों की निरन्तर सेवाग्रो की पूर्ति पर, 'सी' श्रेणी के कर्मचारी स्वतः 'बी' श्रेणी में पदोक्षत हो जायेंगे ग्रीर 'बी' श्रेणी के कर्मचारियों की मेला लाभों को प्र.प्त करने लगगे। यह नियम कलकत्ता पत्तन पर लागू नहीं होगा।
- (2) कलकत्ता पत्तन के सिवाय, 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या, 'ए', 'बी' धौर 'सी' श्रेणियों की पूर्ण सख्या की 15 प्रतिशत तक सीमित रहेगी।

यदि सब योग्य 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों को 'बी' श्रेणी में पदोन्नत करने के बाद 'सी' श्रेणी में बच्चे कर्मचारियों की सख्या, 'ए' 'बी' श्रेणियों की सम्पूर्ण संख्या के 15 प्रतिशत से प्रधिक है तो यह बढ़ोत्तरी 'सी' श्रेणी में उस समय तक कायम रखी जा ग्रेंगी जब तक सामान्यतया 'सी' श्रेणी की संख्या प्रपेक्षित स्तर तक नहीं ह्या जानी है।

- (3) चार वर्षों के बाद 'सी' श्रेणी के कर्मचारियों की सेवा दशाम्रों, वेतन ग्रौर रोजगार के प्रकृत का पूर्विलोकन किया जायेगा।
- (4) जहां कही कर्मचारियों के लिये उपरोक्त विणित सेवा दशाग्रों से मौजूदा सेवा दशायें प्रिधिक ग्रन्छी ग्रीर उपयुक्त है वहां मौजूदा सेवा दशाये लागू की जायेंगी।
- (5) भारत सरकार श्री सलीम एम० मर्चेट को सौपी हुई जाच के सम्बन्ध में उनके द्वारा किये गये कार्य की सराहना करती है ।

स्रावेश

श्रादेश दिया जाता है कि इस संस्ताब की एक प्रतिलिपि संबद्ध हितों को प्रेपित कर दी जाये भीर इसे सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

६० कोओट, भारत सरकार के संयुक्त सचिव ।